

Мундарижа

«Муборак, юртим. ёғду...».....	4
«Кўп кезма дарахтзор боғлар ичинда...».....	6
«Умр ўтар, вақт ўтар...».....	7
«Доим шу иштибоҳ...».....	8
«Бошқалардек севишдик биз ҳам...».....	9
Бу - Маишраб, Маишраб!	10
«Ишқдан ҳол сўрдим...».....	13
«Кимнидир ахтардим...».....	14
Очиқ деразалар	15
Фируза	16
Эшигиндан ўтаман	17
«Хаёлимда яшар бир нарғис...».....	18
«Тун қучоғи турли нурланар...».....	19
Ёнаётган дарахт	20
Бахшига	21
«Кўзингда мунаввар дунёлар...».....	23
Янги йил жом сўзи	24
Икки қалъа	27
«Варрак ингранади...».....	28
«Шалола» шеърят клубининг қатнашчисига...29	
«Мен ишқимни айтолмасам ўзингга...».....	33
«Сен кетурсан...».....	34
Дала шийпонида ухлаётган гўдакка	35
Учинчи дарё	38
Амир Олимхоннинг сўнги илтимоси	39
«Қайси йил кўкламда...».....	41
«Мен булут бағрига син солиб боқсам...».....	44
«Ёлгоннинг яшаши тус-тарзи...».....	45
«Дилимнинг рангини...».....	46